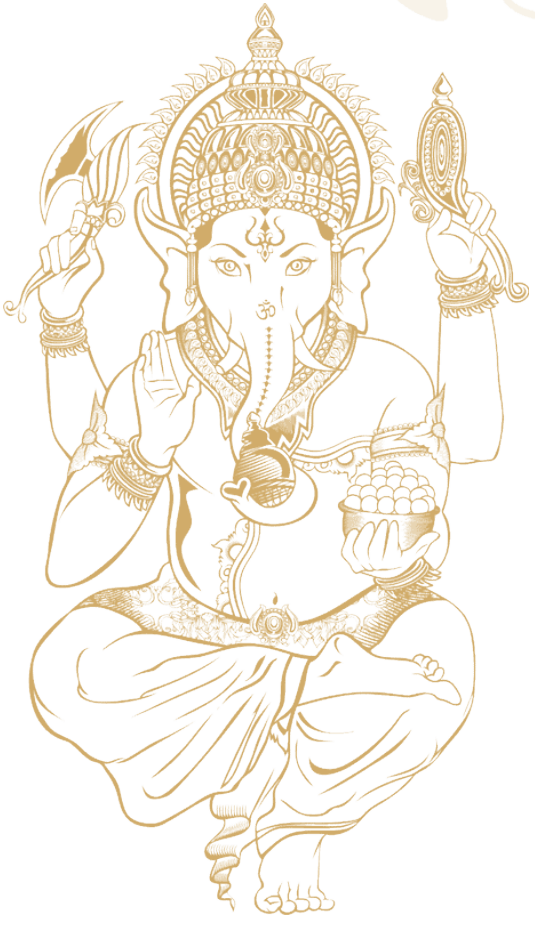

Kajal devi

07 Jan 2002

04:00 PM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121740907

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/01/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	21:38:15 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:35:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:13 घंटे
सूर्योदय	07:20:42 घंटे
सूर्यास्त	17:40:03 घंटे
दिनमान	10:19:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:03:48 धनु
लग्न के अंश	01:38:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रू-रूपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:38:04	338:39:36	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			धनु	23:03:48	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			तुला	09:27:08	13:43:22	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	27:42:35	00:43:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	11:11:02	01:21:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	15:55:06	00:08:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	21:22:51	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृष	15:03:35	00:03:19	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	03:10:25	00:01:07	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु			धनु	03:10:25	00:01:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:53:10	00:02:58	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:47:28	00:02:10	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:22:54	00:02:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	15:19:58	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:50

लग्न-चलित

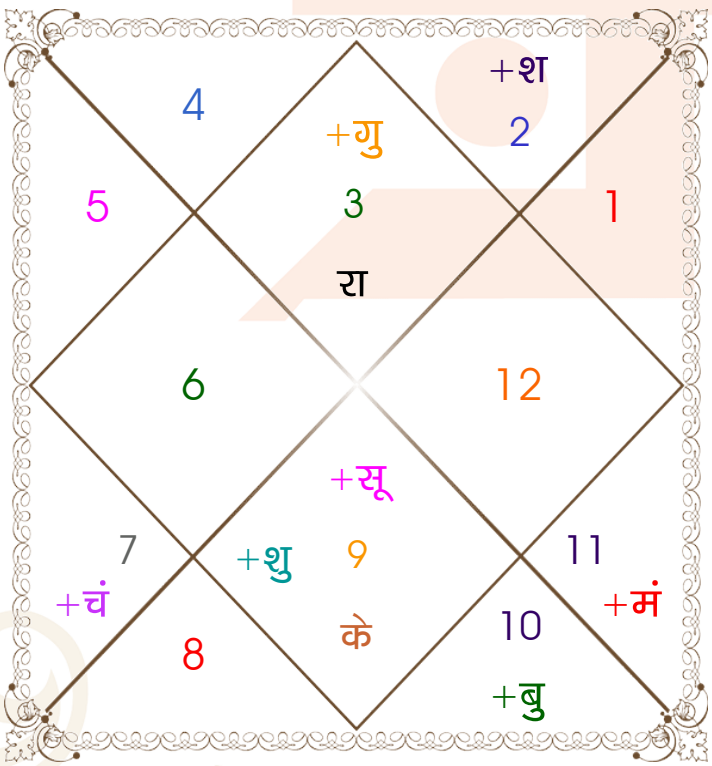

चन्द्र कुंडली

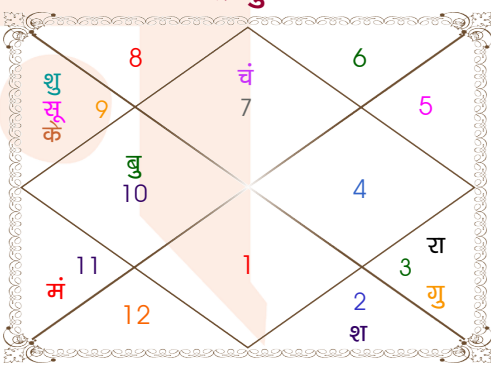

नवमांश कुंडली

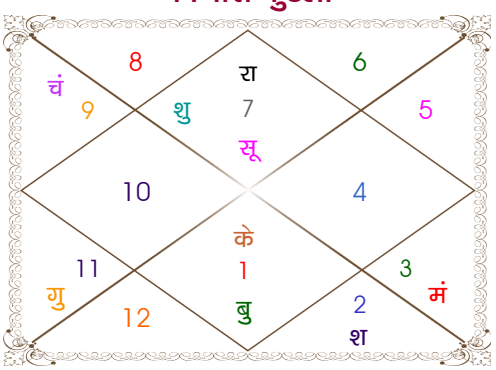

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 2 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/01/2002		04/04/2016		04/04/2032		05/04/2051		04/04/2068	
04/04/2016		04/04/2032		05/04/2051		04/04/2068		05/04/2075	
	07/01/2002	गुरु	23/05/2018	शनि	08/04/2035	बुध	01/09/2053	केतु	31/08/2068
गुरु	11/05/2003	शनि	04/12/2020	बुध	16/12/2037	केतु	29/08/2054	शुक्र	31/10/2069
शनि	17/03/2006	बुध	12/03/2023	केतु	25/01/2039	शुक्र	29/06/2057	सूर्य	08/03/2070
बुध	04/10/2008	केतु	16/02/2024	शुक्र	27/03/2042	सूर्य	05/05/2058	चंद्र	07/10/2070
केतु	22/10/2009	शुक्र	17/10/2026	सूर्य	09/03/2043	चंद्र	05/10/2059	मंगल	06/03/2071
शुक्र	22/10/2012	सूर्य	05/08/2027	चंद्र	07/10/2044	मंगल	01/10/2060	राहु	23/03/2072
सूर्य	16/09/2013	चंद्र	04/12/2028	मंगल	16/11/2045	राहु	20/04/2063	गुरु	27/02/2073
चंद्र	18/03/2015	मंगल	10/11/2029	राहु	22/09/2048	गुरु	26/07/2065	शनि	08/04/2074
मंगल	04/04/2016	राहु	04/04/2032	गुरु	05/04/2051	शनि	04/04/2068	बुध	05/04/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/04/2075		05/04/2095		05/04/2101		06/04/2111		06/04/2118	
05/04/2095		05/04/2101		06/04/2111		06/04/2118		00/00/0000	
शुक्र	04/08/2078	सूर्य	24/07/2095	चंद्र	04/02/2102	मंगल	02/09/2111	राहु	17/12/2120
सूर्य	05/08/2079	चंद्र	22/01/2096	मंगल	05/09/2102	राहु	20/09/2112	गुरु	08/01/2122
चंद्र	04/04/2081	मंगल	29/05/2096	राहु	06/03/2104	गुरु	27/08/2113		00/00/0000
मंगल	05/06/2082	राहु	23/04/2097	गुरु	06/07/2105	शनि	05/10/2114		00/00/0000
राहु	04/06/2085	गुरु	09/02/2098	शनि	04/02/2107	बुध	03/10/2115		00/00/0000
गुरु	03/02/2088	शनि	22/01/2099	बुध	06/07/2108	केतु	29/02/2116		00/00/0000
शनि	05/04/2091	बुध	28/11/2099	केतु	04/02/2109	शुक्र	30/04/2117		00/00/0000
बुध	03/02/2094	केतु	05/04/2100	शुक्र	05/10/2110	सूर्य	05/09/2117		00/00/0000
केतु	05/04/2095	शुक्र	05/04/2101	सूर्य	06/04/2111	चंद्र	06/04/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।